UNI
BREVITY
ACCURACY
SPEED

यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति

कला प्रकाश की किरण के रूप में कार्य करती है:अजय भट्ट

नयी दिल्ली, 08 फरवरी (वार्ता) पूर्व रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री और सांसद अजय भट्ट ने कहा है कि कला प्रकाश की किरण के रूप में कार्य करती है तथा जो लोग लोगों के लिए कला को समझने और उसकी सराहना करने के लिए रास्ते बनाते हैं, उन्हें हमेशा याद किया जाता है।

श्री भटट ने शुक्रवार की शाम यहां गैर-लाभकारी संगठन रूट्स2रूट्स ने पैरागॉन पब्लिशिंग के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में 'रिदम्स एंड रागास' नामक तीन-पुस्तक श्रृंखला रिचा जैन की कथक, अनिरबन भट्टाचार्य की हिंदुस्तानी क्लासिकल वोकल और वरुण खन्ना की भरतनाट्यम का अनावरण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य, कला, संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देना, कथक, हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन और भरतनाट्यम के बारे में समझ विकसित करना तथा पाठकों को भारतीय कला रूपों की समृद्ध परंपराओं के बारे में शिक्षित और प्रेरित करना है। कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संसद सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

इस मौके पर श्री भट्ट ने कहा, "कला पुस्तकों से युवाओं को कला एवं संस्कृति के बारे में समझ बढ़ती है और मन में नए विचार भी उत्पन्न होते हैं। ऐसे युग में जहां हम अपनी जड़ों से तेजी से कटते जा रहे हैं, तीन पुस्तकें 'रिदम्स एंड रागस' हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति के लिए एक सेतु हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "कला प्रकाश की किरण के रूप में कार्य करती है, जो लोग लोगों के लिए कला को समझने और उसकी सराहना करने के लिए रास्ते बनाते हैं, उन्हें हमेशा याद किया जाता है। ऐसे युग में जहां हम अपनी जड़ों से तेजी से कटते जा रहे हैं, तीन पुस्तकें 'रिदम्स एंड रागस' हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति के लिए एक सेतु हैं। रूट्स2रूट्स पूरे भारत में लगभग दो करोड़ छात्रों तक पहुंचने के साथ, वे न केवल भारतीय कला एवं संस्कृति प्रदान कर रहे हैं बल्कि युवा दिमागों को भी आकार दे रहे हैं।"

इस मौके पर श्री भट्ट ने कहा, "कला पुस्तकों से युवाओं को कला एवं संस्कृति के बारे में समझ बढ़ती है और मन में नए विचार भी उत्पन्न होते हैं। ऐसे युग में जहां हम अपनी जड़ों से तेजी से कटते जा रहे हैं, तीन पुस्तकें 'रिदम्स एंड रागस' हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति के लिए एक सेतु हैं।"

रूट्स2रूट्स के संस्थापक राकेश गुप्ता ने कहा, "ये तीन पुस्तकें भारतीय कला रूपों की गहरी प्रशंसा और समझ को बढ़ावा देने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें उम्मीद है कि पुस्तकों के माध्यम से लोगों को हमारी समृद्ध कलात्मक विरासत का पता लगाने और उसे संजोने की प्रेरणा मिलेगी।"

रूट्स2रूट्स की सह-संस्थापक टीना वचानी ने कहा, "इन पुस्तकों में एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया गया, जो छात्रों से लेकर आम पाठकों को भारतीय शास्त्रीय कलाओं को गहराई से समझने में मदद मिलेगी।"

पैरागॉन पब्लिशिंग के प्रबंध निदेशक विनीत शर्मा ने कहा, "रिदम्स एंड रागास, पैरागॉन पब्लिशिंग और रूट्स2रूट्स के बीच एक ऐसा दृष्टिकोण है, जो भारत के शास्त्रीय कला रूपों को आने वाली पीढ़ियों के लिये संरक्षित करना चाहता है। इन समृद्ध परंपराओं को प्रलेखित करने और बढ़ावा देने के लिये इन तीन पुस्तकों को तैयार किया गया है, प्रत्येक पुस्तक में कथक, भरतनाट्यम और हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन का सार है।"

श्रद्धा अशोक

वार्ता